# महानिदेशक, स्कूल शिक्षा
# एवं
# राज्य परियोजना निदेशक

कार्यालय–समग्र शिक्षा, विद्या भवन, निशातगंज, लखनऊ–226 007
वेब साईट : *www.upefa.com* ई–मेल : *upefaspo@gmail.com* दूरभाष 0522-4024440, 2780384, 2781128

सेवा में,

1. प्राचार्य, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान
   समस्त जनपद, उत्तर प्रदेश।
2. जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी,
   समस्त जनपद, उत्तर प्रदेश।

**पत्रांकः गुण0वि0/ई–पाठशाला 6.0/** 5052 **/2021–22** **दिनांकः** 19 **जनवरी, 2022**

**विषयः "मिशन प्रेरणा की ई–पाठशाला 6.0" के कियान्वयन के संबंध में।**

**महोदय/महोदया,**

कृपया शासनादेश संख्या–100/2022–सीएक्स–3 दिनांक 16–01–2022 के क्रम में सचिव, उ0प्र0 बेसिक शिक्षा परिषद, प्रयागराज के पत्रांक–बे0शि0प0/31264–31435/2021–22 दिनांक 16 जनवरी, 2022 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जिसके द्वारा निर्देशित किया गया है कि कोविड संक्रमण की रोकथाम के दृष्टिगत प्रदेश के कक्षा 1 से 8 तक समस्त परिषदीय/सहायता प्राप्त/मान्यता प्राप्त/कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय/अन्य बोर्ड के विद्यालय दिनांक 23 जनवरी, 2022 तक बन्द रहेंगे तथा छात्र–छात्रायें विद्यालय में उपस्थित नहीं होंगे। तद्नुसार विधान सभा सामान्य निर्वाचन 2022 सम्बन्धी कार्य एवं अन्य प्रशासकीय कार्यों के लिये समय–समय पर निर्गत निर्देशों के अनुपालन हेतु शिक्षक/शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की उपस्थिति विद्यालय में अनिवार्य होगी तथा परिषदीय विद्यालयों में शिक्षक/शिक्षणेत्तर कर्मचारी की उपस्थिति कोविड प्रोटोकॉल एवं शासनादेश संख्या–70/2022–सी0एक्स–3 दिनांक 10–01–2022 द्वारा जारी गाइडलाइन्स का पूर्णतया अनुपालन करते हुये सुनिश्चित की जायेगी।

अवगत कराना है कि शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वर्ष 2026–27 तक प्राथमिक कक्षाओं में सार्वभौमिक मूलभूत साक्षरता और संख्या ज्ञान प्राप्त करने तथा ग्रेड–3 तक सभी बच्चों में पढ़ने–लिखने और संख्या ज्ञान में ग्रेड स्तर की अपेक्षित योग्यता प्राप्त करने के उद्देश्य से "राष्ट्रीय मूलभूत साक्षरता और संख्या ज्ञान मिशन" (निपुण भारत) का शुभारम्भ किया गया है। तत्क्रम में "निपुण भारत" मिशन के प्रभावी कियान्वयन हेतु शासनादेश संख्या–1664/68–5–2021–182/2021 दिनांक 23 दिसम्बर, 2021 जारी किया गया है।

कक्षा 1 से 8 तक शिक्षा ग्रहण कर रहे छात्र–छात्राओं की शैक्षणिक गतिविधियों/सीखने की क्षमता पर कोई प्रतिकूल प्रभाव ना पड़े, इसके लिये बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा अप्रैल, 2020 से ही "मिशन प्रेरणा की ई–पाठशाला" का संचालन किया जा रहा है। "मिशन प्रेरणा की ई–पाठशाला" के अंतर्गत पांच चरणों में दूरदर्शन, आकाशवाणी, व्हाट्सएप के माध्यम से अभिभावकों/बच्चों तक शैक्षणिक सामग्री पहुँचाई गयी एवं शिक्षकों द्वारा मोहल्ला कक्षाओं का सफलतापूर्वक संचालन किया गया। तत्क्रम में बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा वर्तमान में भी बच्चों तक शत प्रतिशत पहुंच सुनिश्चित करने के लिये

**ई–पाठशाला** का छठा चरण प्रारम्भ किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत विद्यालयों/शिक्षकों द्वारा निम्नवत् गतिविधियों का संचालन सुनिश्चित किया जायेगा :–

**1. शैक्षणिक सामग्री का प्रेषणः–**

- ई–पाठशाला के संचालन हेतु राज्य स्तर से कक्षावार एवं विषयवार शैक्षणिक सामग्री **व्हाट्सएप ग्रुप** के माध्यम से प्रेषित की जायेगी, जिसे शिक्षकों द्वारा प्रेरणा साथी/अभिभावकों के व्हाट्सएप ग्रुप पर साझा किया जायेगा।
- **प्रत्येक शनिवार** को व्हाट्सएप के माध्यम से **साप्ताहिक क्विज** प्रतियोगिता संबंधी सामग्री प्रेषित की जायेगी।
- राज्य स्तर से प्रेषित शैक्षणिक सामग्री के अतिरिक्त शिक्षकों द्वारा भी विषय पर आधारित शैक्षणिक सामग्री प्रेरणा साथी एवं अभिभावकों के माध्यम से बच्चों को उपलब्ध करायी जाये। साझा की गयी सामग्री पर बच्चों को **अभ्यास** एवं हल करने के लिए निरन्तर प्रोत्साहित किया जाये।
- **प्रेरणा लक्ष्य ऐप, रीड एलांग ऐप और दीक्षा** पर उपलब्ध शैक्षणिक सामग्री से प्रेरणा साथी, बच्चों एवं अभिभावकों को जागरूक किया जाये एवं उक्त एप के माध्यम से बच्चों को पढ़ने के लिये प्रेरित किया जाये।

**2. 100 Days Reading Campaign का संचालनः–**

निपुण भारत के अंतर्गत 100 Days Reading Campaign की शुरूआत की गयी है। तत्क्रम में राज्य परियोजना कार्यालय के पत्रांक–गुण0वि0/रीडिंग कैम्पेन/4808/2021–22 दिनांक–03 जनवरी 2022 **(छायाप्रति संलग्न)** के माध्यम से विस्तृत दिशानिर्देश प्रेषित किये गये हैं तथा साप्ताहिक रूप से गतिविधियों की सूची/इंफोग्राफिक्स आदि प्रेषित किये जा रहे हैं। कोविड महामारी के कारण जब तक बच्चे विद्यालय में नहीं आ रहे हैं, तब तक निम्नवत् आधार पर 100 Days Reading Campaign का संचालन किया जाये :–

- 100 Days Reading Campaign के अंतर्गत गतिविधियों का साप्ताहिक कैलेण्डर तैयार किया गया है, जिसे बच्चों, माता–पिता, भाई–बहनों एवं परिवार के अन्य सदस्यों की सहायता से किया जाना है। तत्क्रम में अभिभावकों एवं समुदाय की सक्रिय प्रतिभागिता सुनिश्चित करने के लिये राज्य स्तर से प्रेषित साप्ताहिक गतिविधियों के कन्टेन्ट नियमित रूप से प्रेरणा साथी/बच्चे/अभिभावकों को व्हाट्सअप आदि के माध्यम से उपलब्ध कराये जायें।
- अभियान को प्रभावी बनाने के लिये **प्रति सप्ताह** निर्धारित गतिविधियां सम्पन्न करायी जायें, जिससे कि दिये गये सप्ताह में गतिविधियों को दोहराया जा सके और अंततः इसे समझ कर साथियों और भाई–बहनों के साथ स्वतंत्र रूप से क्रियान्वित करने में बच्चे सक्षम हो सकें।
- रीडिंग कैम्पेन की सामग्री मोहल्ला कक्षाओं के माध्यम से बच्चों एवं अभिभावकों को साझा की जाये।
- जनपद/ब्लाक/पंचायत स्तर पर कार्यरत स्वयंसेवी संस्थाओं से भी अपेक्षित सहयोग लिया जा सकता है। प्रेरणा सारथी एवं प्रेरणा साथी द्वारा इस अभियान के संचालन हेतु बच्चों को घर पर ही पठन सामग्री उपलब्ध करायी जाये।

**3. प्रेरणा साथी से सहयोग :–**

बच्चों की ऑनलाइन शिक्षा की निरन्तरता को बनाये रखने के उद्देश्य से पूर्व की भाँति प्रेरणा साथी के रूप में स्वैच्छिक सहायता देने के लिये तत्पर निकट रिश्तेदार/पड़ोसी या स्कूल/समुदाय के ऐसे शुभचिन्तक (उक्त प्रेरणा साथी के प्रति अभिभावकों की सहमति भी हो) की पहचान की जाये, जिनकी शिक्षा के क्षेत्र में रूचि हो तथा जिनके पास स्वयं का स्मार्टफोन एवं इन्टरनेट सुविधा उपलब्ध हो। प्रेरणा साथी से निम्नांकित बिन्दुओं के सम्बन्ध में सहयोग हेतु अनुरोध किया जाये :–

- प्रेरणा साथी के स्मार्टफोन में प्रेरणा लक्ष्य एप, रीड एलांग एप एवं दीक्षा एप इंस्टाल करने हेतु अनुरोध किया जाये।
- राज्य स्तर से प्रेषित साप्ताहिक शैक्षणिक सामग्री अपने आस–पास/मोहल्ले के बच्चों को व्हाट्सऐप के माध्यम से साझा करने के लिये प्रेरित किया जाये।
- जिन अभिभावकों के पास स्मार्टफोन नहीं है, उन बच्चों को अभिभावकों की उपस्थिति में प्रेरणा साथी द्वारा प्रतिदिन कम से कम 30 मिनट तक प्रेरणा लक्ष्य ऐप, रीड एलांग एप एवं दीक्षा एप का प्रयोग करते हुए अभ्यास कार्य कराने हेतु प्रेरित किया जाये।
- प्रत्येक शनिवार को आयोजित होने वाली साप्ताहिक क्विज प्रतियोगिता में बच्चों को प्रतिभाग करने हेतु प्रोत्साहित किया जाये एवं मोहल्ला कक्षाओं के संचालन में भी यथाआवश्यक सहयोग प्राप्त किया जाये।

## 4. मोहल्ला कक्षाओं का संचालनः–

कोविड–19 प्रोटोकाल का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए शिक्षकों द्वारा पूर्व की भाँति मोहल्ला कक्षाओं का संचालन किया जाये। मोहल्ला कक्षाओं के प्रभावी संचालन हेतु निर्देश निम्नवत हैं :–

- प्रधानाध्यापक द्वारा ग्राम प्रधान, विद्यालय प्रबन्ध समिति के सदस्यों एवं अभिभावकों से अपेक्षित सहयोग प्राप्त करते हुए मोहल्ला कक्षाओं के संचालन के लिए सार्वजनिक स्थान यथा–पंचायत भवन, ग्राम सचिवालय, खेल का मैदान इत्यादि का निर्धारण किया जाये।
- मोहल्ला कक्षाओं के संचालन के समय बच्चों को दूर–दूर बैठाकर पठन–पाठन कराया जाये तथा राज्य स्तर से प्रेषित शैक्षणिक सामग्री बच्चों/अभिभावकों के साथ साझा की जाये।
- मोहल्ला कक्षाओं के संचालन में कोविड प्रोटोकाल का पूर्णतया अनुपालन (यथा–सभी बच्चे/शिक्षक मास्क लगायें, बच्चे 2 गज की दूरी पर बैठें तथा सैनीटाईजर की उपलब्धता आदि) सुनिश्चित किया जाये।
- बच्चों को शिक्षण योजना के अनुसार गतिविधियां करायी जायें तथा उनकी दिनचर्या से संबंधित क्रियाकलाप, विषय–वस्तु पर आधारित कार्य, अभ्यास–कार्य आदि कराये जायें तथा इसका डाक्यूमेन्टेशन भी किया जाये।
- विद्यालय के सभी शिक्षकों द्वारा गाँव में शिक्षण कार्य के पश्चात् विद्यालय आकर प्रतिदिन के कार्यों, प्रक्रिया, समस्यायों पर चर्चा करके अगले दिन के लिए मोहल्ला कक्षाओं के संचालन के लिये कार्ययोजना बनायी जाये।
- विभाग द्वारा उपलब्ध कराई गई ई–लर्निंग सामग्री तथा वीडियो के साथ–साथ बच्चों की पाठ्य पुस्तकों, कार्य पुस्तिकाओं एवं लाइब्रेरी बुक्स को शिक्षण कार्य में सम्मिलित किया जाये।
- जिन अभिभावकों द्वारा बच्चों को मोहल्ला कक्षाओं में नहीं भेजा जा रहा है अथवा उन्हें अनियमित रूप से भेजा जा रहा है, ऐसे परिवारों को चिन्हित किया जाये तथा **होम विजिट्स** के माध्यम से उनकी काउन्सिलिंग करते हुए मोहल्ला कक्षाओं में बच्चों की प्रतिभागिता सुनिश्चित करायी जाये।

## 5. ई–पाठशाला के संचालन हेतु अन्य निर्देश–

- विद्यालय द्वारा कक्षावार सभी बच्चों के अभिभावकों का एक व्हाट्सअप ग्रुप बनाया जाये। शिक्षकों द्वारा राज्य स्तर से भेजी गयी शैक्षणिक सामग्री को उक्त व्हाट्सएप ग्रुप में साझा किया जाये तथा शिक्षकों द्वारा भी अपनी तरफ से प्राथमिकता के आधार पर विषयगत शैक्षणिक सामग्री प्रेषित की जाये तथा बच्चों को हल करने व अभ्यास करने के लिए प्रोत्साहित किया जाये।
- ऐसे बच्चे जिनके अभिभावक व्हाट्सएप ग्रुप से नहीं जुड़े है, उन बच्चों के परिवार में जो भी पढ़े लिखे सदस्य हों, उनको सप्ताह में एक दिन विद्यालय में आमंत्रित कर पूरे सप्ताह की कार्ययोजना से अवगत कराया जाये एवं उनके द्वारा बच्चों को घर पर पढ़ने/सीखने/समझने में

उनकी मदद करने हेतु अनुरोध किया जाये। कोविड प्रोटोकॉल/सोशल डिस्टेन्सिंग का पालन करते हुए विद्यालय में एक समय में 10 अभिभावकों से अधिक को न बुलाया जाये।

- प्रधानाध्यापक द्वारा विद्यालय में कार्यरत सभी शिक्षकों/शिक्षा मित्रों/अनुदेशकों के मध्य बच्चों का कक्षावार अथवा संख्यात्मक विभाजन सुनिश्चित किया जाये, जिससे कि सभी शिक्षक/शिक्षा मित्रों/अनुदेशकों द्वारा बच्चों/अभिभावकों से सम्पर्क स्थापित किया जा सके। अभिभावकों से सम्पर्क के दौरान बच्चों की पढ़ाई की समीक्षा, अध्ययन संबंधित समस्याओं का निराकरण एवं बच्चों को विषय से संबंधित पाठों के बारे में जानकारी प्रदान की जाये।
- ई–पाठशाला के संचालन के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाये कि बच्चे पूर्व में पढ़ाये गये पाठों/करायी गयी गतिविधियों को स्मरण रखें और वर्तमान में सीखने की प्रकिया से जुड़े रहें। इसलिए आवश्यक है की सिखाये गए सभी विषयों पर उनका नियमित मूल्यांकन हो। शिक्षकों एवं अभिभावकों के मध्य निरंतर सम्पर्क बना रहे। बच्चों द्वारा किये गए अभ्यास कार्य को व्हाट्सएप/अभिभावकों के माध्यम से चेक किया जाये तथा गृहकार्य का मूल्यांकन कर अभिभावकों से सीखने की प्रगति को साझा किया जाये।
- प्रेरणा पोर्टल पर भाषा एवं गणित के कार्यपत्रक भी अपलोड किये गये हैं। शिक्षकों द्वारा उक्त कार्यपत्रकों की सहायता से बच्चों से अभ्यास कार्य कराये जा सकते हैं।
- कोविड–19 महामारी की स्थिति में शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा बच्चों के बीच निरन्तर सीखने को सक्षम करने के लिये 'आत्मनिर्भर भारत' के तहत 01 सितम्बर 2020 को पीएम ई–विद्या (PMeVIDYA) पहल शुरू की गयी है, जिसके अंतर्गत कक्षा 1 से 12 तक के लिये 6000 से अधिक पाठ्यक्रम आधारित वीडियो कार्यक्रम प्रसारित किये जा रहें हैं। तत्संबंधी जानकारी के लिये **संलग्न पत्र** का अवलोकन कर सर्वसम्बन्धित को जागरूक किया जाये।

## 6. सपोर्टिव सुपरविजन :–

- प्राचार्य, डायट एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के नेतृत्व में एस0आर0जी0, ए0आर0पी0 एवं डायट मेण्टर द्वारा विद्यालयों का सपोर्टिव सुपरविजन सुनिश्चित किया जाये। एस0आर0जी0, ए0आर0पी0 एवं डायट मेण्टर द्वारा शिक्षकों से व्यक्तिगत संवाद एवं विद्यालय/मोहल्ला कक्षाओं का सपोर्टिव सुपरविजन करते हुए शिक्षकों का मनोबल बढ़ाया जाये।
- ए0आर0पी0 के लिये आंवटित विकास खण्ड में ई–पाठशाला के कियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिये माह में कम से कम एक ऑनलाईन बैठक करते हुए सभी शिक्षक संकुल को पूर्ण मनोयोग तथा ऊर्जा के साथ ई–पाठशाला को संचालित करने के लिये प्रेरित किया जाये। ऑनलाइन बैठक का एजेण्डा संलग्न है।

## 7. कियान्वयन एवं अनुश्रवण

मिशन प्रेरणा की ई–पाठशाला के प्रभावी कियान्वयन में **प्राचार्य, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान** की विशिष्ट भूमिका है। उनके द्वारा जनपद/विकासखण्ड एवं कतिपय शिक्षक संकुल की बैठकों में ऑनलाइन प्रतिभागिता सुनिश्चित करते हुए सर्वसंबंधित का मार्गदर्शन किया जाये। डायट पर कार्यरत समस्त प्रवक्ताओं को विभिन्न ब्लाकों के मेण्टर के रूप में विशेष उत्तरदायित्व प्रदान किया जाये। प्राचार्य, डायट द्वारा ई–पाठशाला का ऑनलाईन मासिक सर्वे भी कराया जाये, जिसमें ए0आर0पी0 एवं एस0आर0जी0 द्वारा निर्धारित प्रारूप पर सूचनायें उपलब्ध करायी जायेंगी। इसके अतिरिक्त ई–पाठशाला के अन्तर्गत समस्त गतिविधियों की गहन समीक्षा एवं गैप एनालिसिस करते हुए समस्त हितधारकों को निरन्तर अभिप्रेरित भी किया जाये।

**जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी** द्वारा मुख्य विकास अधिकारी/जिलाधिकारी से मार्गदर्शन प्राप्त करते हुए "मिशन प्रेरणा की ई–पाठशाला" के अंतर्गत समस्त गतिविधियों का सफल कियान्वयन

सुनिश्चित कराया जाये। इसके साथ ही प्रत्येक शनिवार को जिला परियोजना कार्यालय में आयोजित होने वाली साप्ताहिक बैठक में दीक्षा एप/प्रेरणा लक्ष्य एप/रीड एलांग एप की डाउनलोडिंग की प्रगति एवं प्राप्त आंकड़ों के आधार पर ई–पाठशाला के संचालन की समीक्षा की जाये। उक्त बैठक में खण्ड शिक्षा अधिकारी/एस0आर0जी0 की प्रतिभागिता सुनिश्चित की जाये, जिससे कि राज्य स्तरीय निर्देश एवं शैक्षणिक सामग्री शिक्षकों/अभिभावकों को नियमित रूप से उपलब्ध करायी जा सके। जिला समन्वयक (प्रशिक्षण) द्वारा इस हेतु समन्वयन का कार्य किया जाये।

**खण्ड शिक्षा अधिकारियों द्वारा** ई–पाठशाला के बेहतर क्रियान्वयन हेतु विकासखण्ड के सभी ए0आर0पी0/प्रधानाध्यापकों की मासिक एवं समस्त शिक्षक संकुल की पाक्षिक ऑनलाईन बैठक आयोजित कर ई–पाठशाला के सतत् एवं सक्रिय संचालन हेतु आवश्यक सहयोग एवं मार्गदर्शन प्रदान किया जाये। बैठकों में ए0आर0पी0 द्वारा उद्बोधन/प्रस्तुतिकरण किया जाये। इस बैठक में यथा आवश्यकतानुसार एस0आर0जी0 सदस्यों द्वारा भी प्रतिभाग किया जाये। खण्ड शिक्षा अधिकारी एवं ए0आर0पी0 द्वारा मिशन प्रेरणा की ई–पाठशाला के संचालन एवं आउटरीच बढ़ाने के लिये शिक्षकों से निरन्तर चर्चा की जाये तथा बच्चों को व्हाट्सअप के माध्यम से प्रेषित ई–कन्टेन्ट को देखने व सुनने के लिये प्रेरित किया जाये। खण्ड शिक्षा अधिकारी द्वारा प्रतिदिन कम से कम 10 प्रधानाध्यापकों से बात कर ई–पाठशाला से सम्बन्धित शैक्षणिक सामग्री की समय से पहुंच सुनिश्चित करायी जाये। साथ ही शिक्षक द्वारा किये गये प्रयास एवं अभिभावक/बच्चों से प्राप्त परिणाम पर आधारित चर्चा तथा विश्लेषण करते हुए ई–पाठशाला का क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाये।

**मिशन प्रेरणा की ई–पाठशाला (फेज–6)** के क्रियान्वयन का राज्य स्तर से निरन्तर अनुश्रवण सुनिश्चित किया जायेगा। अतः निर्देशित किया जाता है कि **मिशन प्रेरणा की ई–पाठशाला** के सफल संचालन हेतु जनपद स्तर पर कार्ययोजना विकसित करते हुए उपरोक्तानुसार कार्यवाही सुनिश्चित की जाये।

**संलग्नक–उक्तवत्।**

भवदीय,

**(अनामिका सिंह)**
**महानिदेशक, स्कूल शिक्षा**

पत्रांकः गुण0वि0/ई–पाठशाला 6.0/ 5052 /2021–22 तददिनॉक।

**प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :–**

1. प्रमुख सचिव, बेसिक शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
2. सचिव, बेसिक शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
3. राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा, उत्तर प्रदेश।
4. जिलाधिकारी एवं अध्यक्ष, जिला शिक्षा परियोजना समिति, समस्त जनपद, उत्तर प्रदेश।
5. शिक्षा निदेशक (बेसिक), बेसिक शिक्षा निदेशालय, निशातगंज, लखनऊ, उ0प्र0।
6. निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, निशातगंज, लखनऊ, उ0प्र0 ।
7. मुख्य विकास अधिकारी, समस्त जनपद, उत्तर प्रदेश।
8. मण्डलीय सहायक शिक्षा निदेशक (बेसिक), समस्त मण्डल, उत्तर प्रदेश।
9. जिला समन्वयक (प्रशिक्षण), समस्त जनपद, उत्तर प्रदेश।
10. खण्ड शिक्षा अधिकारी, समस्त विकासखण्ड, उत्तर प्रदेश।

**(अनामिका सिंह)**
**महानिदेशक, स्कूल शिक्षा**

**संलग्नक**

**शिक्षक संकुल/ब्लाक/जनपद स्तरीय बैठकों में निम्नांकित बिन्दुओं पर समीक्षा की जाये।**

- 100 Days Reading Campaign की साप्ताहिक प्रगति।
- शिक्षकों द्वारा संचालित मोहल्ला कक्षाओं की संख्या/प्रगति की अद्यतन समीक्षा।
- ई–पाठशाला के संचालन हेतु विकसित किये गये व्हाट्सऐप ग्रुप में सम्मिलित अभिभावकों की संख्या/प्रगति की अद्यतन समीक्षा।
- ई–पाठशाला के संचालन में विद्यालयवार प्रेरणा साथियों की संख्या/प्रगति की अद्यतन समीक्षा।
- दीक्षा ऐप, प्रेरणा लक्ष्य ऐप एवं रीड एलांग एप डाउनलोड करने वाले बच्चों/अभिभावकों की संख्या/प्रगति की अद्यतन समीक्षा।
- राज्य परियोजना कार्यालय द्वारा व्हाट्सऐप ग्रुप्स के माध्यम से साझा की जाने वाली शिक्षण सामग्री की पहुंच एवं उपयोग की समीक्षाा।
- व्हाट्सऐप ग्रुप्स के माध्यम से साप्ताहिक क्विज प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर रहे बच्चों की संख्या/प्रगति की अद्यतन समीक्षा।

---

# केंद्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान

**राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी)**

**श्री अरबिंद मार्ग, नई दिल्ली - 110 016 (भारत)**

**दूरभाष: 91-11-26962580, टेलीफैक्स: 91-11-26864141**

**ईमेल: jdciet.ncert@nic.in; jointdirectorciet@gmail.com**


जनवरी १६, २०२२

**विषय: शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की पीएम ई-विद्या पहल के तहत शैक्षिक टीवी और रेडियो सामग्री के व्यापक प्रसार हेतु**

महोदया / महोदय,

कोविड-१९ महामारी की स्थिति में शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ने शिक्षार्थियों के बीच निरंतर सीखने को सक्षम करने के लिए, 'आत्मनिर्भर भारत' के तहत ०१ सितंबर २०२० को पीएम ई-विद्या (PMeVIDYA) पहल शुरू की है। इस पहल के तहत, कक्षा १-१२ (एक कक्षा-एक चैनल) के लिए १२ डीटीएच टीवी चैनलों पर पाठ्यक्रम-आधारित कार्यक्रमों का टीवी प्रसारण और 'रेडियो, सामुदायिक रेडियो, सीबीएसई पॉडकास्ट-शिक्षा वाणी का व्यापक उपयोग' के तहत रेडियो प्रसारण शुरू किया गया है। पहल के तहत, हरेक कक्षा (कक्षा १-१२) से जुड़ी एनसीईआरटी के पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकों पर आधारित और सह-पाठ्यचर्या ई-सामग्री शिक्षार्थियों के लिए दूरदर्शन मुक्त डिश टीवी चैनलों, निजी केबल ऑपरेटरों तथा रेडियो प्रसारण और पॉडकास्ट के माध्यम से प्रसारित किए जा रहे हैं, जो मुफ्त और मुक्त रूप से उपलब्ध है।

इन चैनलों पर ६,००० से अधिक पाठ्यक्रम आधारित वीडियो कार्यक्रम प्रसारित किए जा रहे हैं। सीखने की समावेशिता बढ़ाने के लिए ६०० से अधिक भारतीय सांकेतिक भाषा (आईएसएल) वीडियो भी प्रसारित किए जा रहे हैं। टीवी के अलावा, ये ई-कंटैंट इंटरनेट आधारित दीक्षा प्लेटफॉर्म (https://diksha.gov.in/) पर भी सुसंगत पहुंच (coherent access) के रूप में उपलब्ध हैं। मासिक समय-सारणी सीआईईटी की वेबसाइट (https://ciet.nic.in/pages.php?id=pmevidya&ln=en) के माध्यम से देखी जा सकती है। प्रत्येक कक्षा के विशेषज्ञों के साथ इन चैनलों पर साप्ताहिक लाइव इंटरेक्टिव फोन-इन सत्रों का भी प्रसारण किया जाता हैं। साथ ही २३० रेडियो स्टेशनों (१८ ज्ञान वाणी एफएम रेडियो स्टेशनों, ८० सामुदायिक रेडियो स्टेशनों, १३२ आकाशवाणी केंद्र, इंटरनेट रेडियो और जियो सावन मोबाइल ऐप पर पॉडकास्ट) के माध्यम से पूरे देश में ३,००० से अधिक पाठ्यक्रम-आधारित ऑडियो कार्यक्रम प्रसारित किए जा रहे हैं। रेडियो का विवरण स्टेशन सीआईईटी की वेबसाइट: https://ciet.nic.in/ पर उपलब्ध हैं। इस कोविड-१९ महामारी की स्थिति में शिक्षार्थियों को टीवी और रेडियो के माध्यम से इन गुणवत्तापूर्ण ई-सामग्री तक पहुँचने में मदद करने के लिए आपके राज्य/केंद्र शासित प्रदेश/संस्थान के छात्रों, शिक्षक, शिक्षक शिक्षक और अन्य हितधारक के बीच इस पहल को व्यापक रूप से प्रचारित करने का अनुरोध किया जाता है। किसी भी अधिक जानकारी के लिए आपसे अनुरोध है कि डॉ अभय कुमार, सहायक प्रोफेसर, सीआईईटी-एनसीईआरटी और समन्वयक, पीएम ई-विद्या से मोबाइल नंबर- 9612475484, ईमेल - abhay.kumar@ciet.nic.in पर संपर्क करें।

सादर

(प्रो. अमरेंद्र पी. बेहेरा)
संयुक्त निदेशक

**राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में समग्र शिक्षा के सभी राज्य परियोजना निदेशक**
**राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में एससीईआरटी/एसआईई के सभी निदेशक**
**राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में स्कूल बोर्ड के सभी अध्यक्ष/सचिव**
**MoE, MoD, MoTA, MoMA के तहत स्वायत्त निकायों (स्कूल शिक्षा) के प्रमुख**